

सेखावाटी

म पढबो अर लिखबो:

सऊं पेली त्यार होबा की पोथी



**सेखावाटी म पढबो अर लिखबो: सऊं पेली त्यार होबा की पोथी
(Reading and Writing in Shekhawati: Pre-Primer Book)**

छपने का वर्ष: 2019

छपी पुस्तकों की संख्या: 200

© निर्माण सोसाइटी

द्वारा तैयार

कमलेश रोयल, विक्रम सिंह, रतन लाल योगी, सुरेश कुमार,
मनीष कुमार, अमरचन्द रोयल

द्वारा मदत

मैरी शैला डिसौज़ा, मुकेश कुमार योगी, पुरणमल बैरवा

चित्रकार

मुकेश कुमार बैरवा, महेन्द्र बारुपाल

भाषा वैज्ञानिक

रॉयसन नॉरमन डिसौज़ा

टाइपसेटिंग

रतन लाल योगी

प्रकाशक

निर्माण सोसायटी

वार्ड नं.-6, खत्री कॉलोनी,

आथूना मोहल्ला, नवलगढ़, झुन्झुनू, राजस्थान-333042

Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in

Web- www.nirmaan.org.in

Ph. 01594-223776

सब अधिकार सुरक्षित हैं

प्रकाशक की अग्रिम लिखित अनुमति के बिना, इस प्रकाशन का कोई भी भाग आण्विक, यांत्रिकी, रिकॉर्डिंग व अन्य किसी भी रूप में या अन्य माध्यम से पुनः उत्पादित नहीं किया जा सकता है और न ही पुनःप्राप्ति पद्धति में इसका भंडारण किया जा सकता है, या प्रसारित किया जा सकता है।

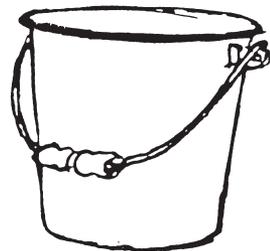
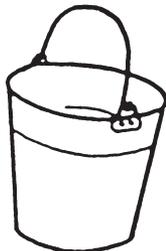
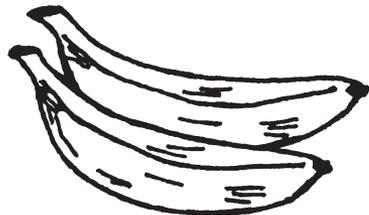
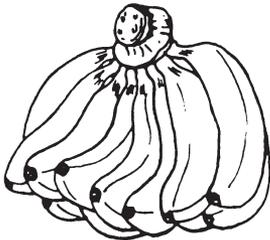
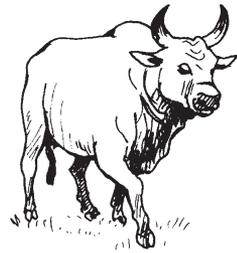
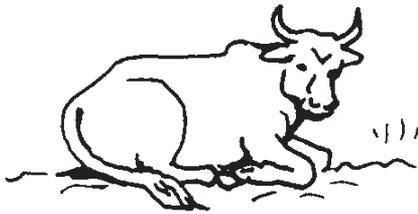
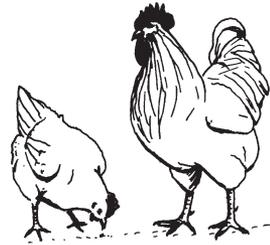
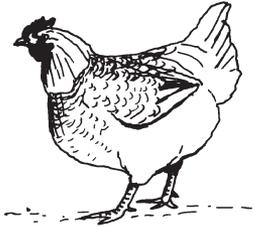
ओळखाण

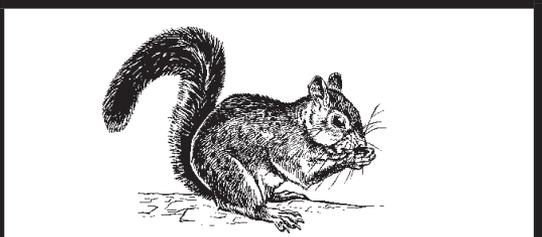
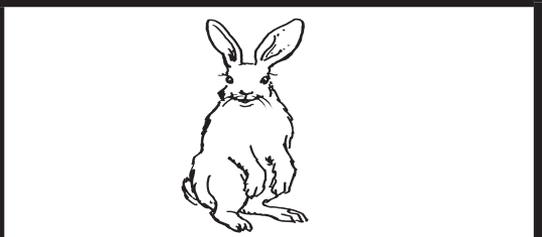
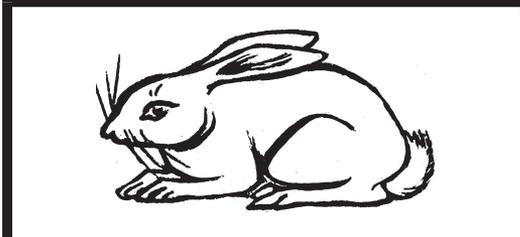
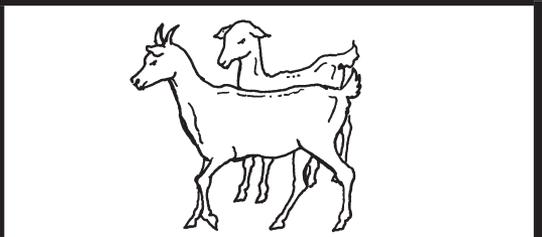
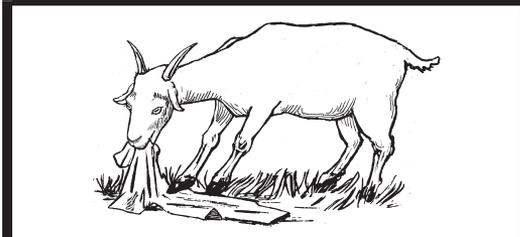
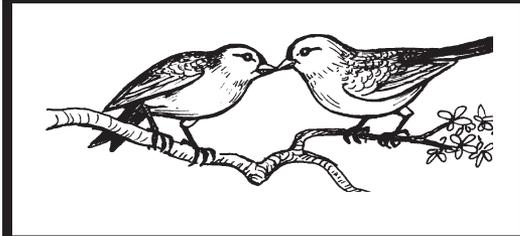
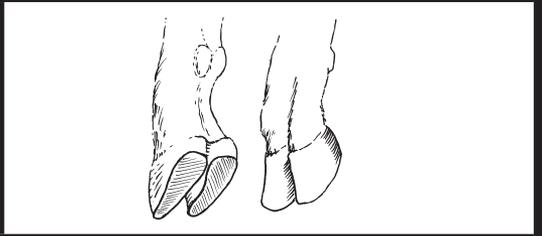
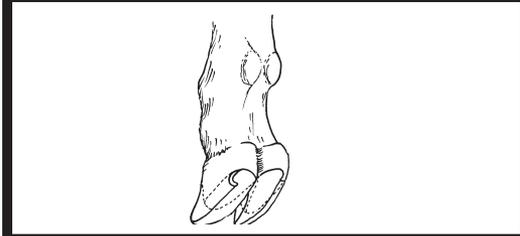
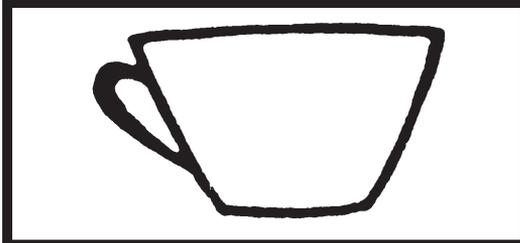
“सेखावाटी म पढबो अर लिखबो: सऊं पेली त्यार होबा की पोथी” पढबाळा मिनखा नै पढबा कले त्यार करबा की पोथी है। आ जरूत कोनी कै बनै पोथी सै किमी पढणो पड़सी। ई पोथी नै बणाबा को इरादो है कि नै पढेड़ा मिनखा की आंख, कान, हात अर दिमाक रोजिना काम आबाळा अकार, आंक, फोटूवा नै पिछाणबो अर कलम नै हात म पकड़बो सीख सकै अर एक लेण म (पेली के होयो, फेर के होयो अर फेर ओजूं के होयो) जाण सकै।

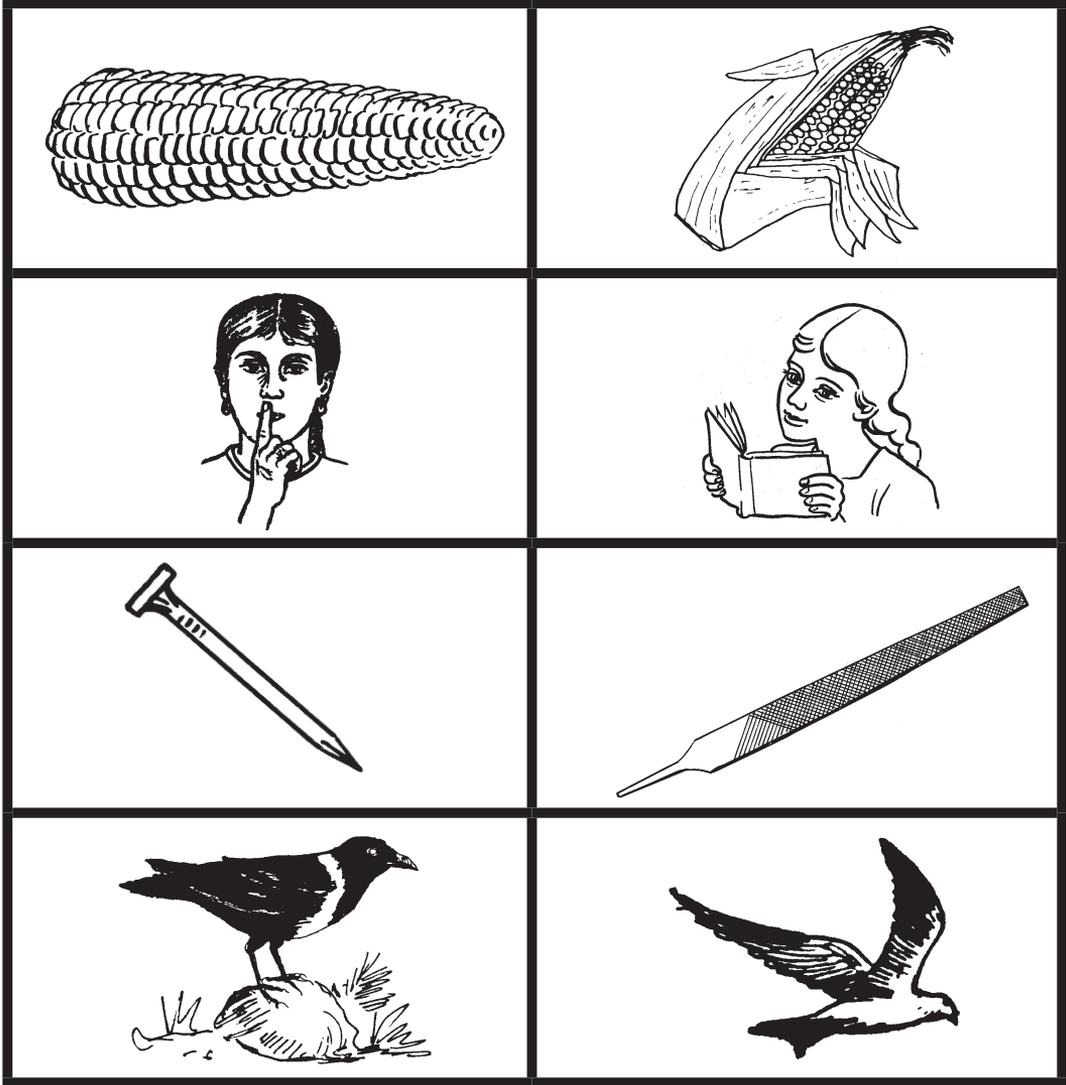
बै आ सीखै है कि बोलबा अर सुणबा की जंय्या पढबो-लिखबो बातां-चितां करबा को एक गेलो है। आ पोथी पढबाळा कले सीखबा की एक कुंजी है। बनै आ बतावो कि पाठा नै की तरियां सूं सीखणो है। सीखबा कले जखो टेम चाये बो सीखबाळा कै इसाब सूं न्यारो-न्यारो हो सकै। अंय्या का मिनख बी हीं जखा पेली कदे बी पोथी नै काम कोनी ली अर कलम नै कदे बी हात सूं कोनी पकड़ी। जणा कई बातां नै सीखाणा कले बनै बोळो टेम देणो पड़सी। चोखी त्यारी भोत जरूरी है। आ एक चोखी नीव को काम करै है। फेर आगै बडबा को चोखो गेलो बण ज्यासी। ई पोथी नै पूरी सीखबा कले तीन सै पांच हफता बोळा हीं।

आपणी सेखावाटी म पढबाळो मिनख किमी पढबो-लिखबो जाणै है तो बनै ई पोथी नै सीखबा की जरूत कोनी है।

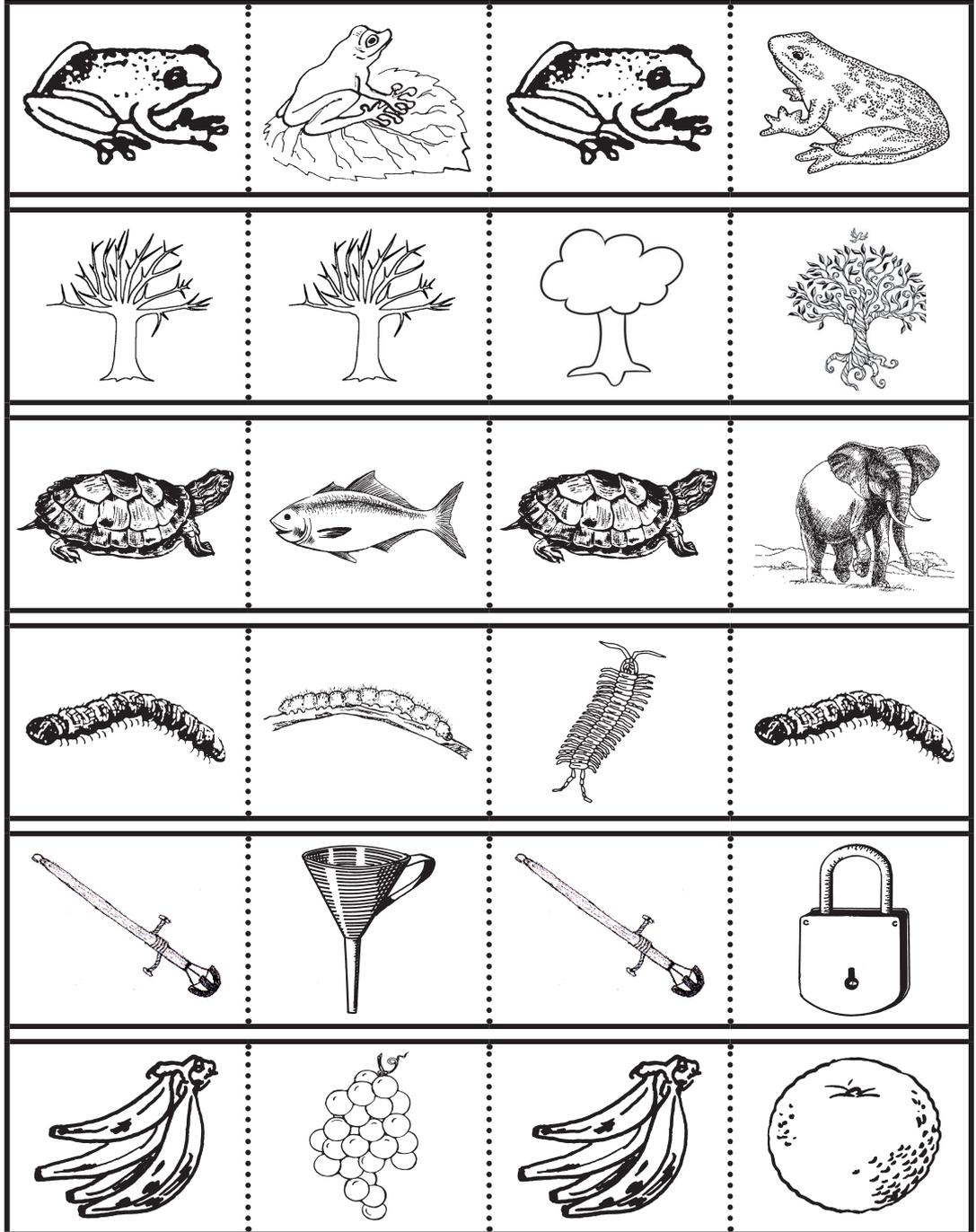
आ खाना की फोटूवा म के फरक है

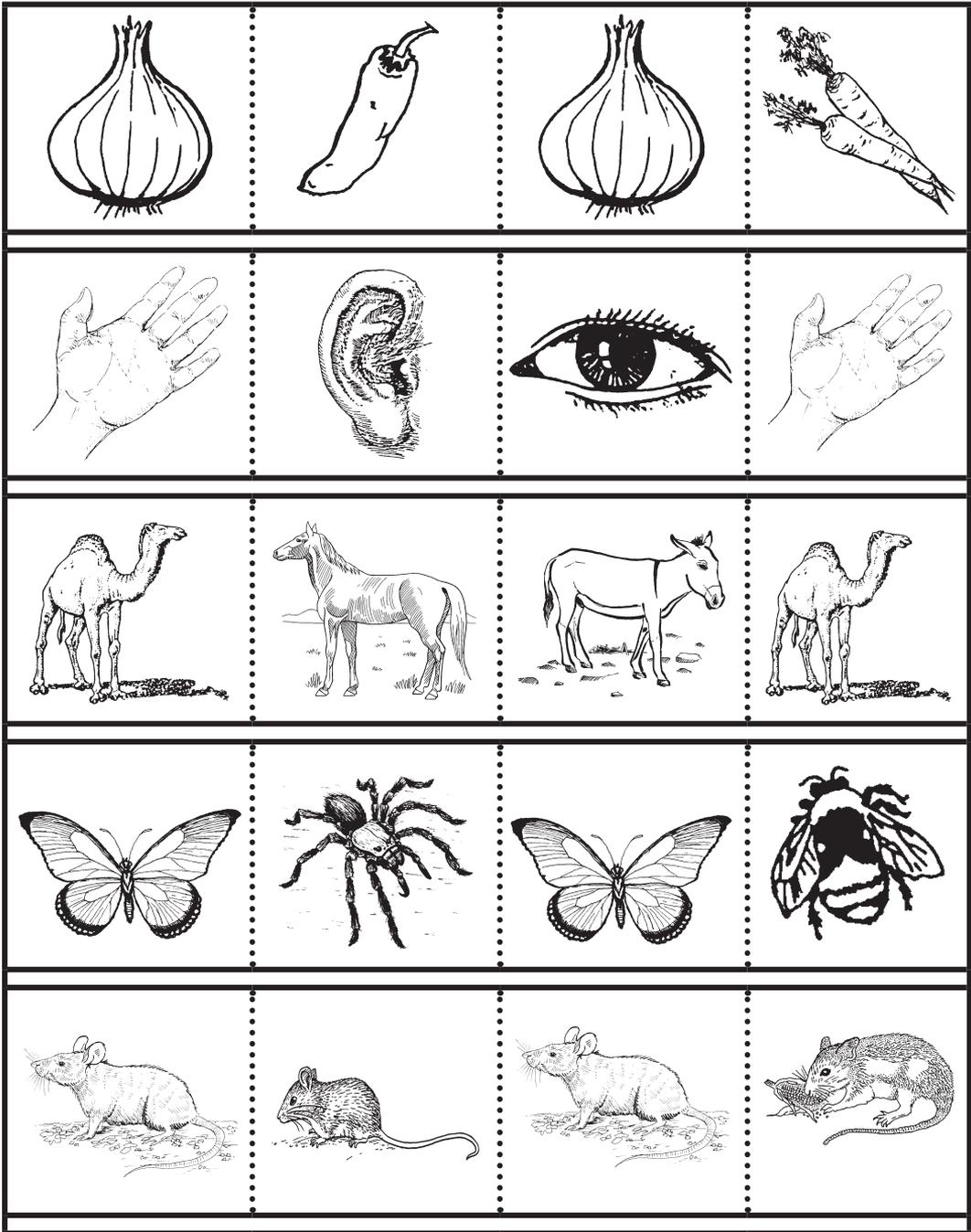


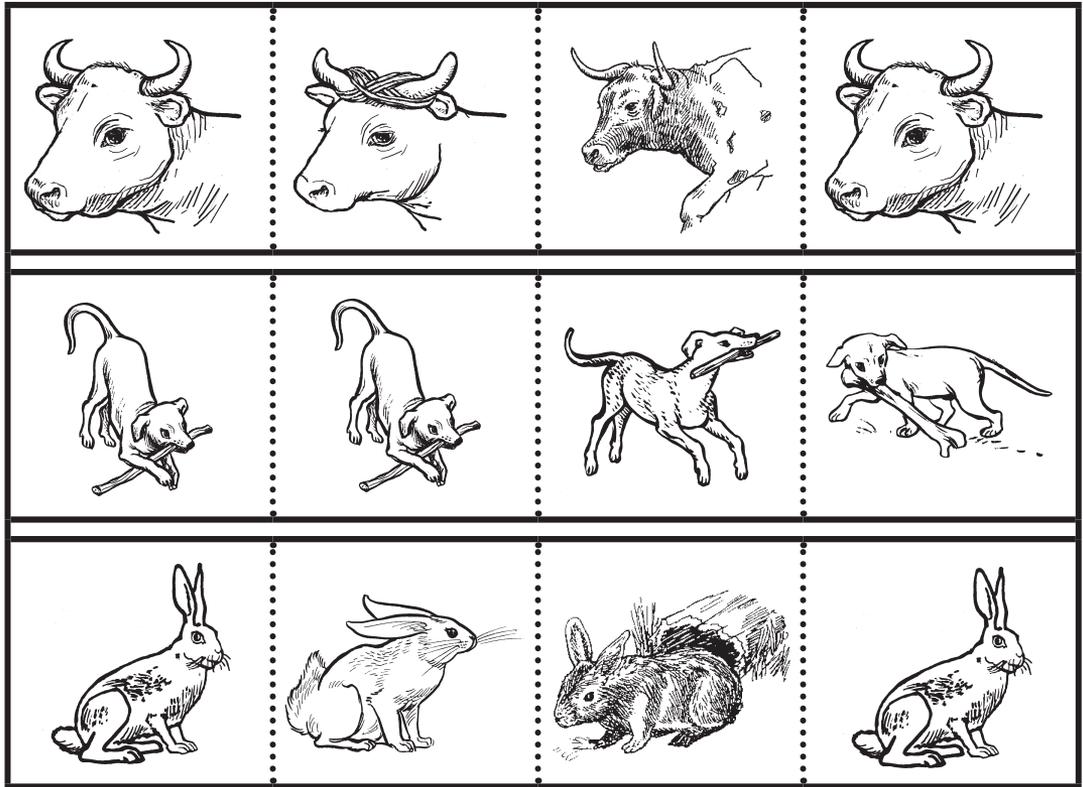




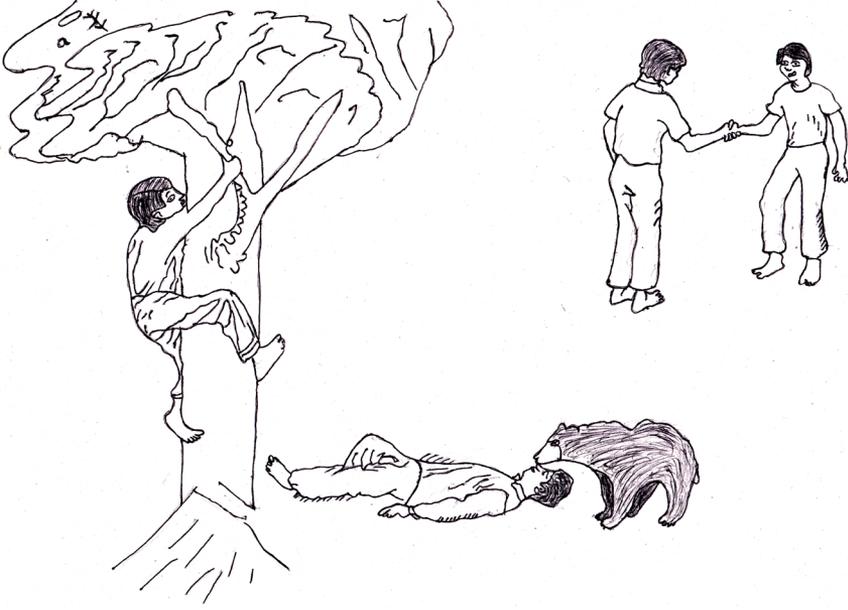
आ खाना म एकसी फोटूवा नै पिछाणो







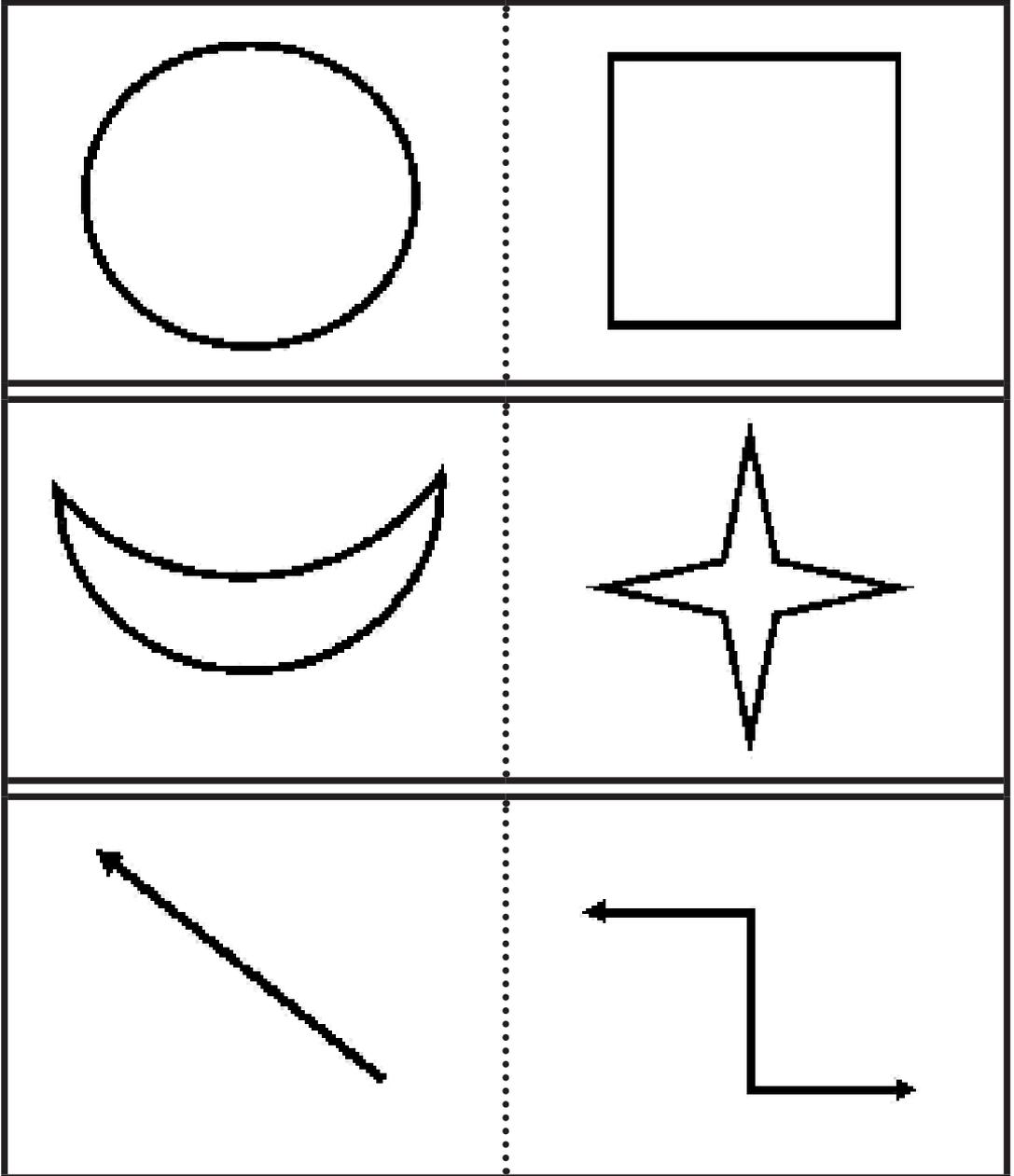
दो भायला अर एक रीछ



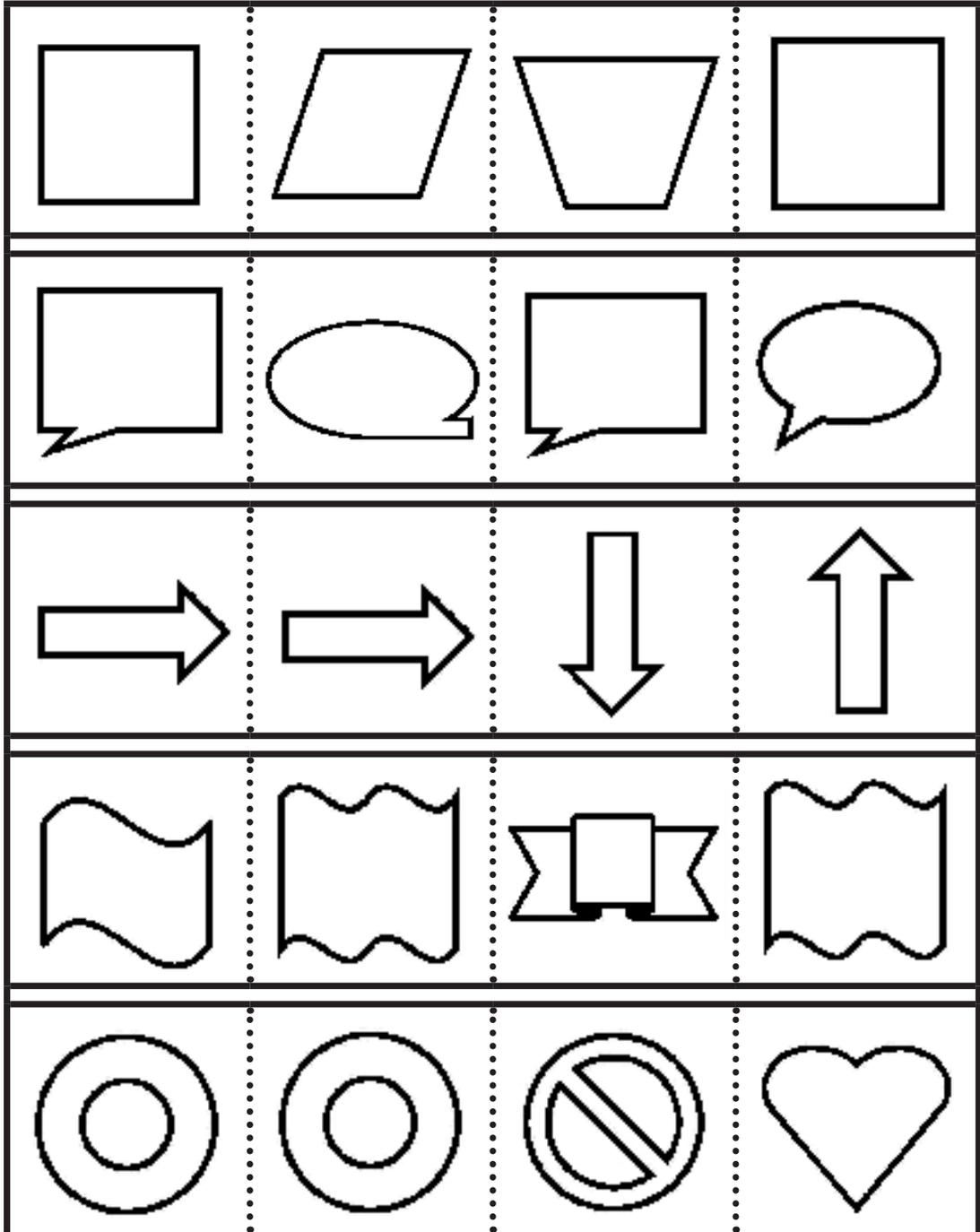
एकर दो भायला हा। दोन्यू एक उजाड़ सूं जार्या हा। दोन्यू जणा एक-दूसरा को सागो देण को परण कर्यो। थोड़ी दूर चालबा कै पाछै बै आपकानी एक रीछ नै आतो देख्या। जणा बै बी रीछ नै देख'र डरगा अर भाजबा लाग्या। एक तो भाज'र दरखत पै चढगो। दूसरो बिनै हेला पाड़्या पण बो सुण्या कोनी। रीछ होळै-होळै बिकन आगो, जणा बो सोच'र जमीन पै सोगो अर आपगी सांस बन करली। बो रीछ बिकन आयो अर बिनै संग'र चलगो, जणा पेलो भायलो आयो अर बिनै पूछ्यो- तन बो रीछ के कह्यो। जद दूसरो भायलो कह्यो- झूठै भायला पै कदे बी भरोसो नी करनो चाये।

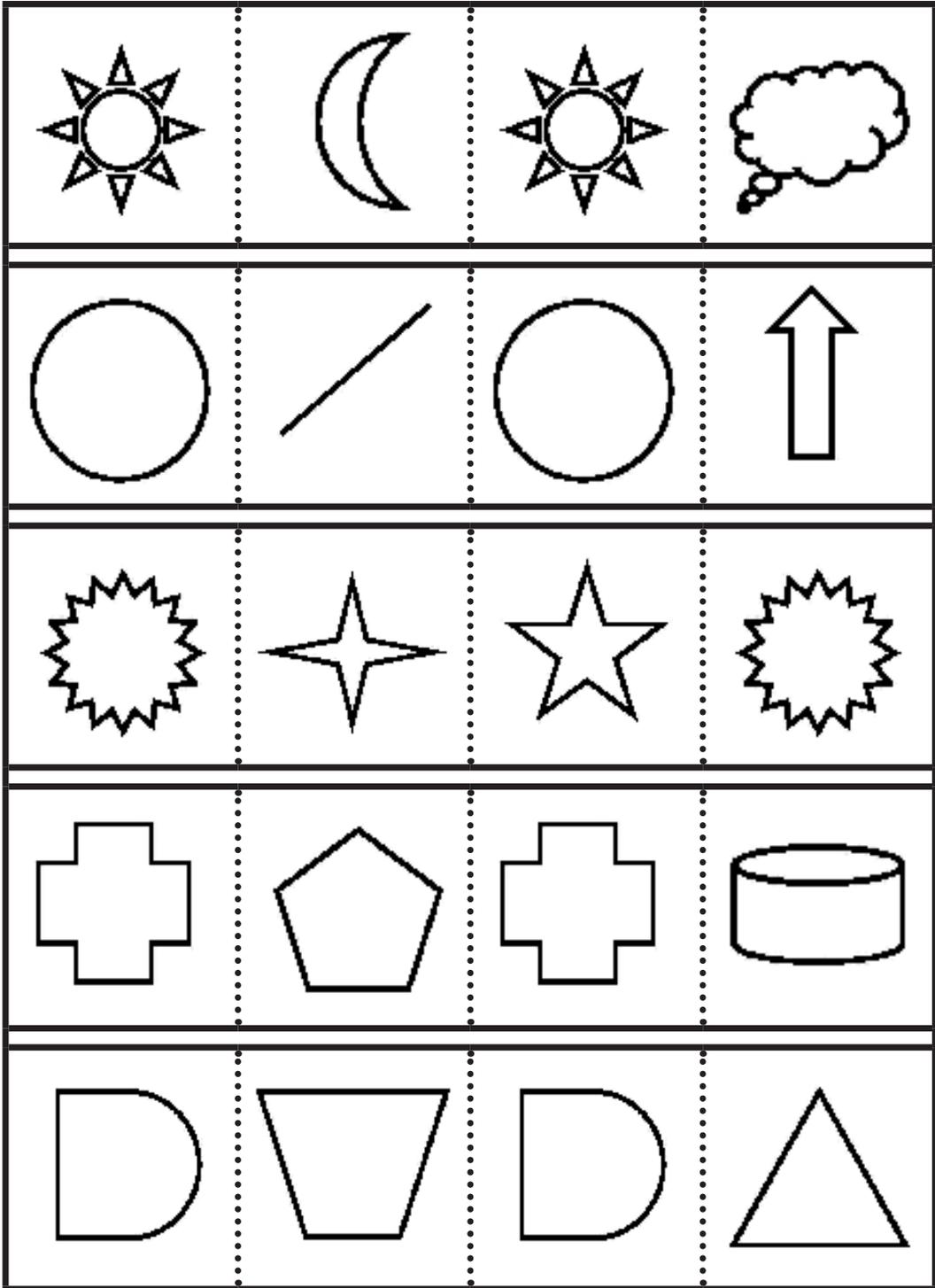
सीख:-आफत म जखो सागो दे बोई सांचो भायलो है।

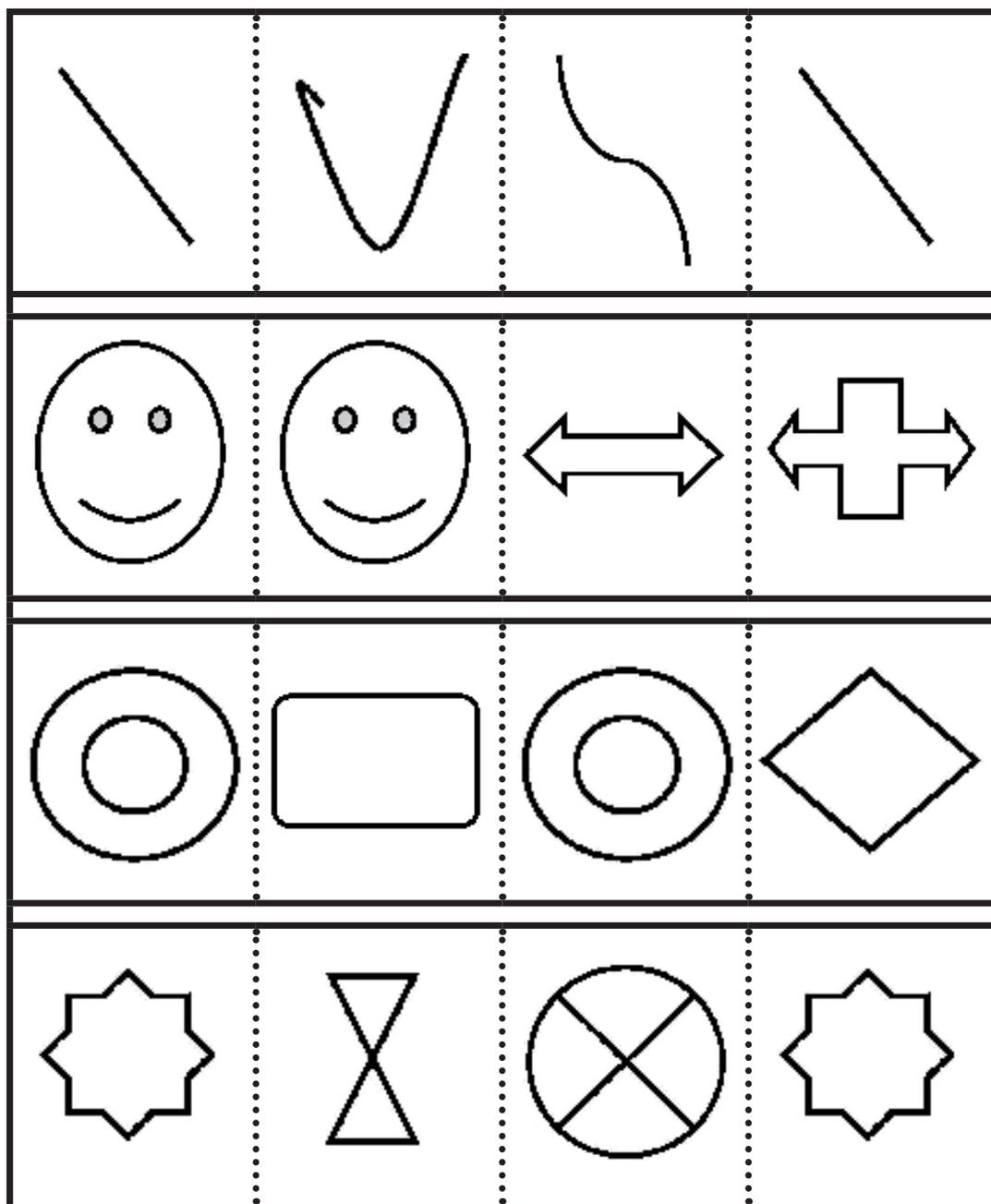
आ खाना कै फोटूवा म के फरक है



आ खाना म एकसी फोटूवा नै पिछाणो





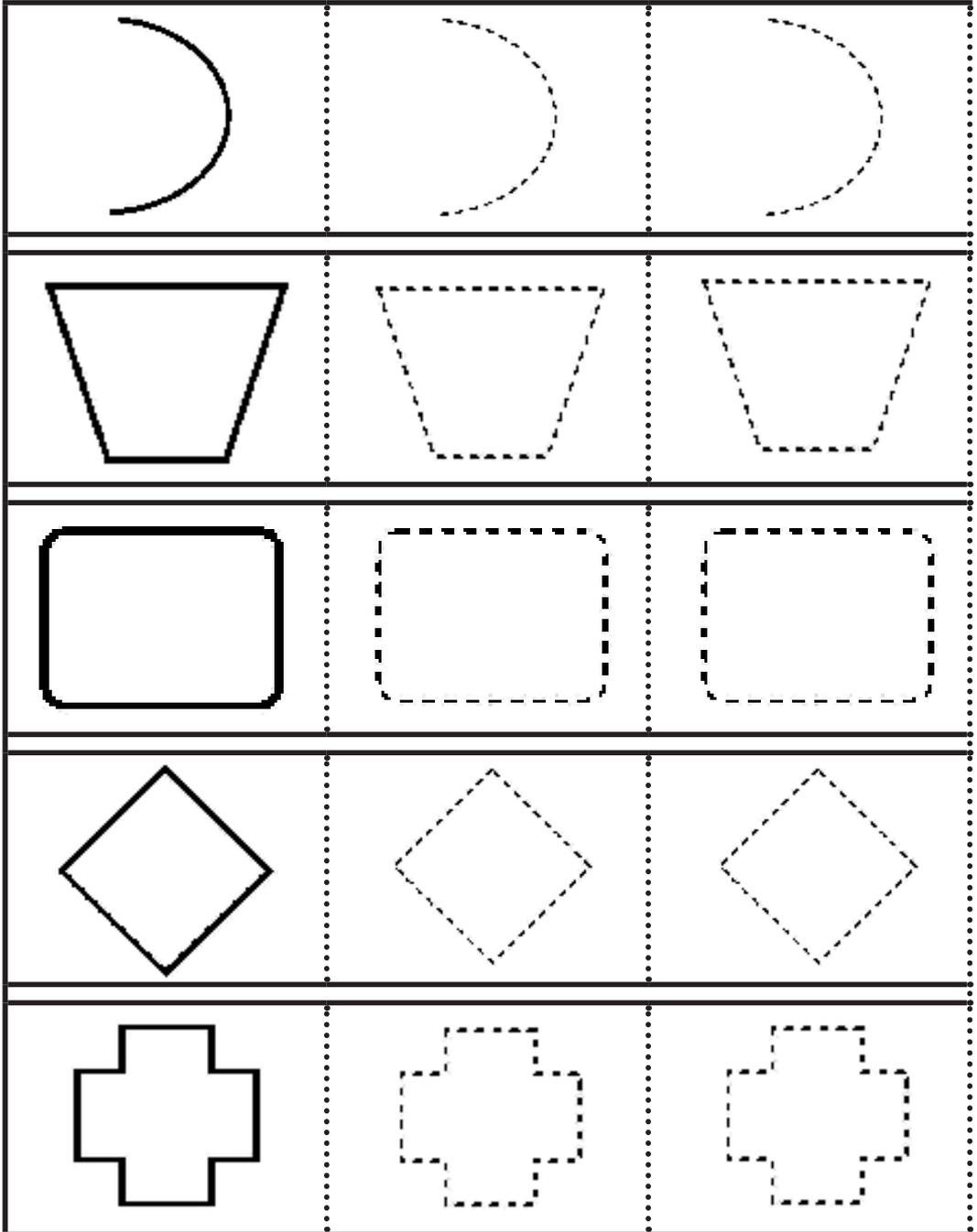


एक नार अर ऊंदरो

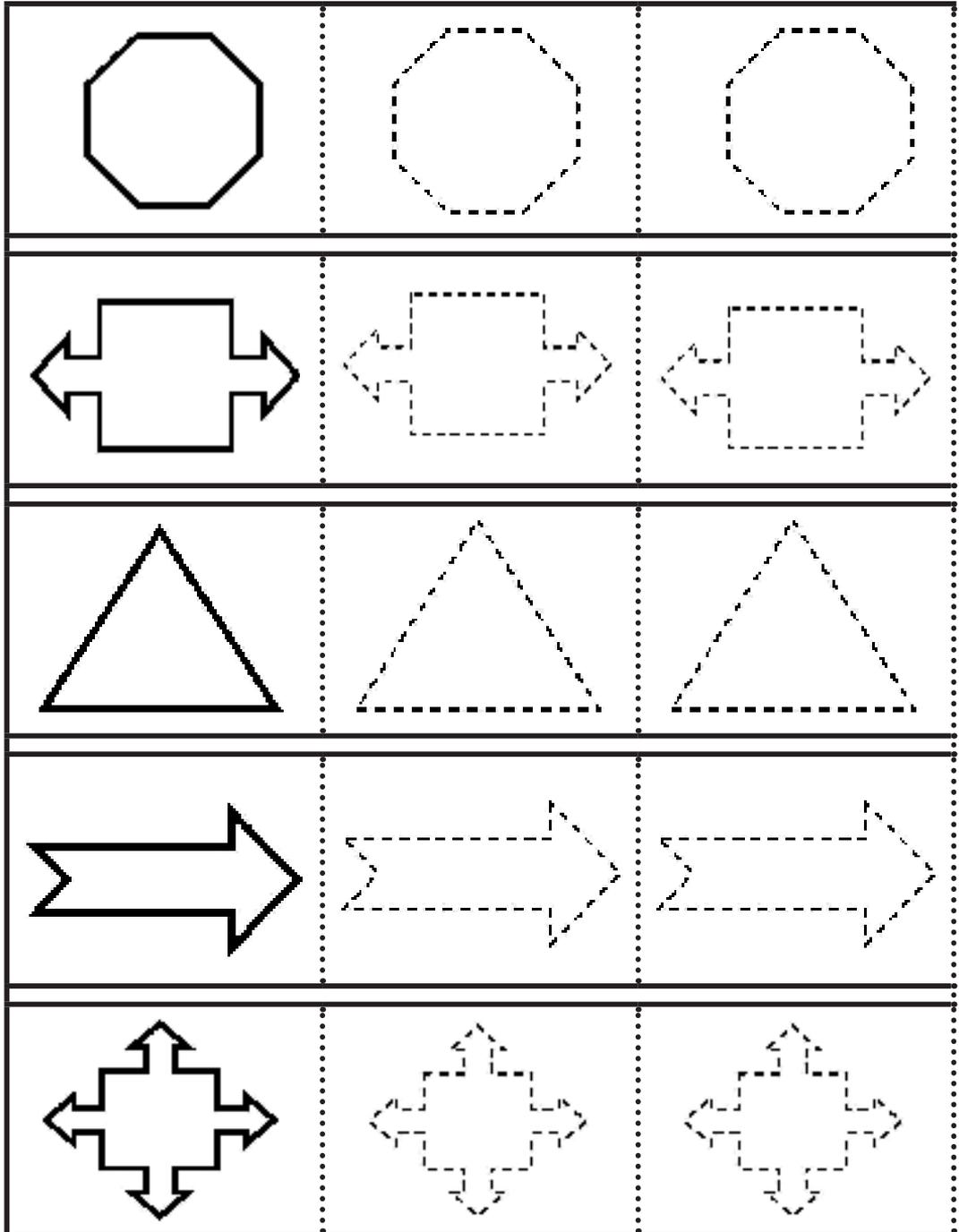


उजाड़ म दरखत कै तळै एक नार रहतो। बी दरखत कन एक ऊंदरै को बिल बी हो। एक दिन बो नार सुत्यो हो जणा बो ऊंदरो आ'र नार पै उछळबा-कूदबा लागो। नार जाग्यायो अर ऊंदरा नै पंज्या सूं पकड़ लियो। ऊंदरो नार सूं माफी मांगबा लाग्यो अर बोल्यो मै थहारै एक दिन भोत काम आस्यूं। नार बिनै छोड दियो। कई दिना कै पाछै बी उजाड़ म एक पारधी आयो अर नार पै जाळ गेर'र चलगो। थोड़ी देर पा ऊंदरो बिल ऊं बारै आयो अर नार नै जाळ म देख्यो। ऊंदरो नार कन आ'र जाळ नै काटबा लागो। ऊंदरो थोड़ी देर पा सगळै जाळ नै काट दियो। जाळ कटबाऊं नार बारै आगो अर बै दोन्यू जणा भायला बणगा।
सीख:-भलो करसी जणाई भलो होसी।

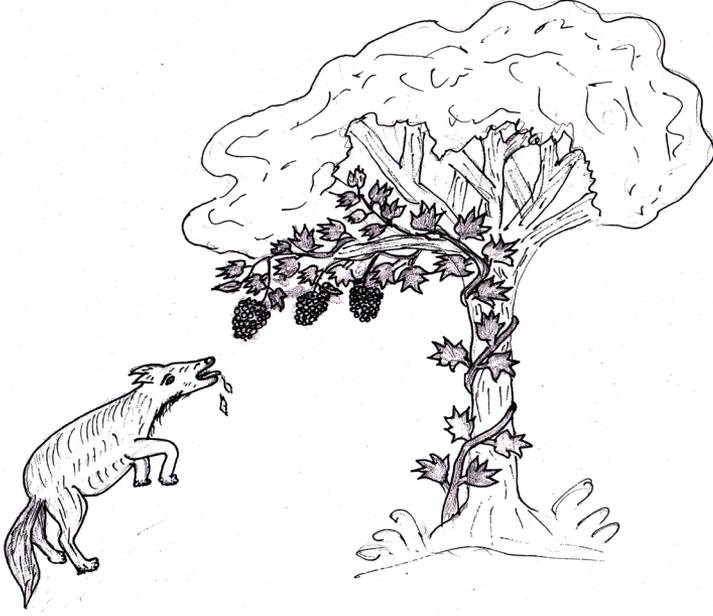
फोटू बनावो



फोटू बणावो



भूखी लूंगती अर अंगूर



एकर एक लूंगती ही। बिनै जोरकी भूख लागरी ही। बा खाबा कले अठिन-बठिन हांडबा लागी, पण बिनै किमी बी कोनी ल्हाद्यो। जणा बा आखती हो'र बाग म जा'र दरखत कै तळै बेठगी। दरखत कै ऊपर बिनै एक अंगूर की बेल दिखी, जखी कै अंगूरा को गुच्छो लागर्यो हो। लूंगती राजी हो'र उछळ'र अंगूरा कै गुच्छा नै तोड़बा लागी, पण बो गुच्छो बिकै हात कोनी लाग्यो। लूंगती बर-बर उछळबा लागी, पण गुच्छा नै तोड़ कोनी पाई। लूंगती आखती हो'र चाल पड़ी अर बोली “अ अंगूर तो बोळा खाटा हीं।”

सीख:-जखी चीज हात नी लागै बा खराब कोनी होवै।

एकसा आंका नै एक लेण म पिछाणो

क	ब	क	र
म	म	द	न
त	थ	स	त
ज	ज	झ	ट
प	घ	प	ल
र	ठ	ल	र

आ सगळा खाना म एकसा आंका नै पिछाणो

र	क	द	ब
न	य	ल	र
ब	त	द	ग
ग	ज	स	न
क	न	द	ळ
द	ळ	ब	र

मांडो

क

d

d

च

p

p

ज

t

t

ट

v

v

त

r

r

मांडो

प

i

i

य

;

;

ळ

G

G

फ

Q

Q

स

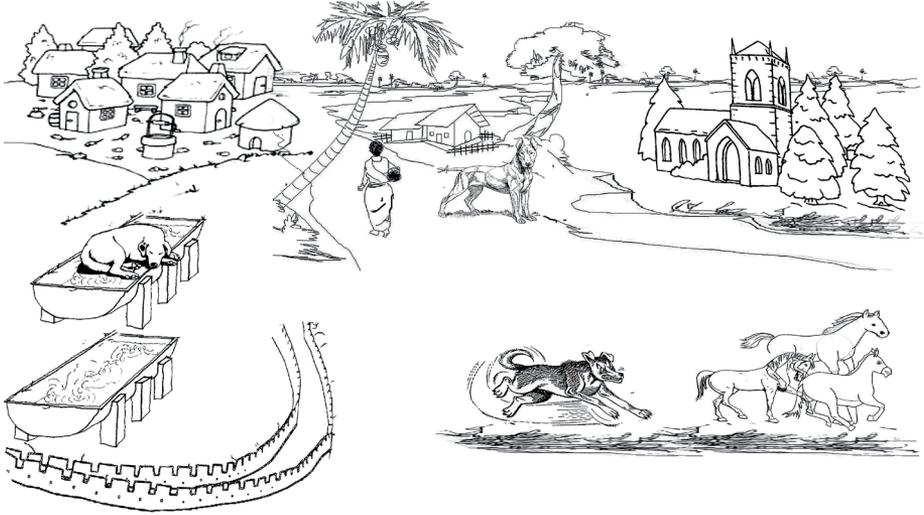
|

|

आ सगळा खाना म एकसा आंका नै पिछाणो

क	क	ट	प
अ	ट	च	ज
ट	ज	क	अ
च	अ	ट	च
प	प	अ	क
ज	अ	ट	ज

ल्हास म गंडक



बीदसर गांम म एक लड़ोकड़ो गंडक हो। एबर बो घोड़ां कै बाड़ा म बड़ग्यो अर ल्हास पै चड'र बेठगो। बिन बा जगां अत्ती चोखी लागी कि बो सारै दिन बठे सुत्यो रहतो। जद घोड़ां नै भूख लागी जणा बै तूड़ो खाबा क्ले ल्हास कानी आया पण बो गंडक कोई सै बी घोड़ै नै ल्हास कन कोनी आबा दियो। बो हरेक घोड़ा नै घूसतो होयो भाजतो। बापड़ा घोड़ा चर बी कोनी सक्या अर गंडक बी कोनी खा सक्यो क्युंकि तूड़ो गंडक को खाणो कोनी हो, ईक्ले आ होई कि गंडक नै तो खुद खाणो खार्यो हो अर नै ई घोड़ां नै खाबा देर्यो हो। आखर म बो खुद बी अर घोड़ा बी भूखा ई रहगा।

सीख:-कोई कै हक पै जोरामरदी कब्जो नी करनो चाये।

एकसा सबदा नै एक लेण म पिछाणो

कद सक जर कद

बर मग बर टल

सळ हळ नळ सळ

एक पग एक अर

ठग ठग हळ आण

चल कल चल मल

एकसा सबदा नै एक लेण म पिछाणो

पर तळ पर टण

नट सण पण नट

छम छम जण जळ

पग घन धण पग

धण घन धण कर

पार धार पार कार

एकसा सबदा नै एक लेण म पिछाणो

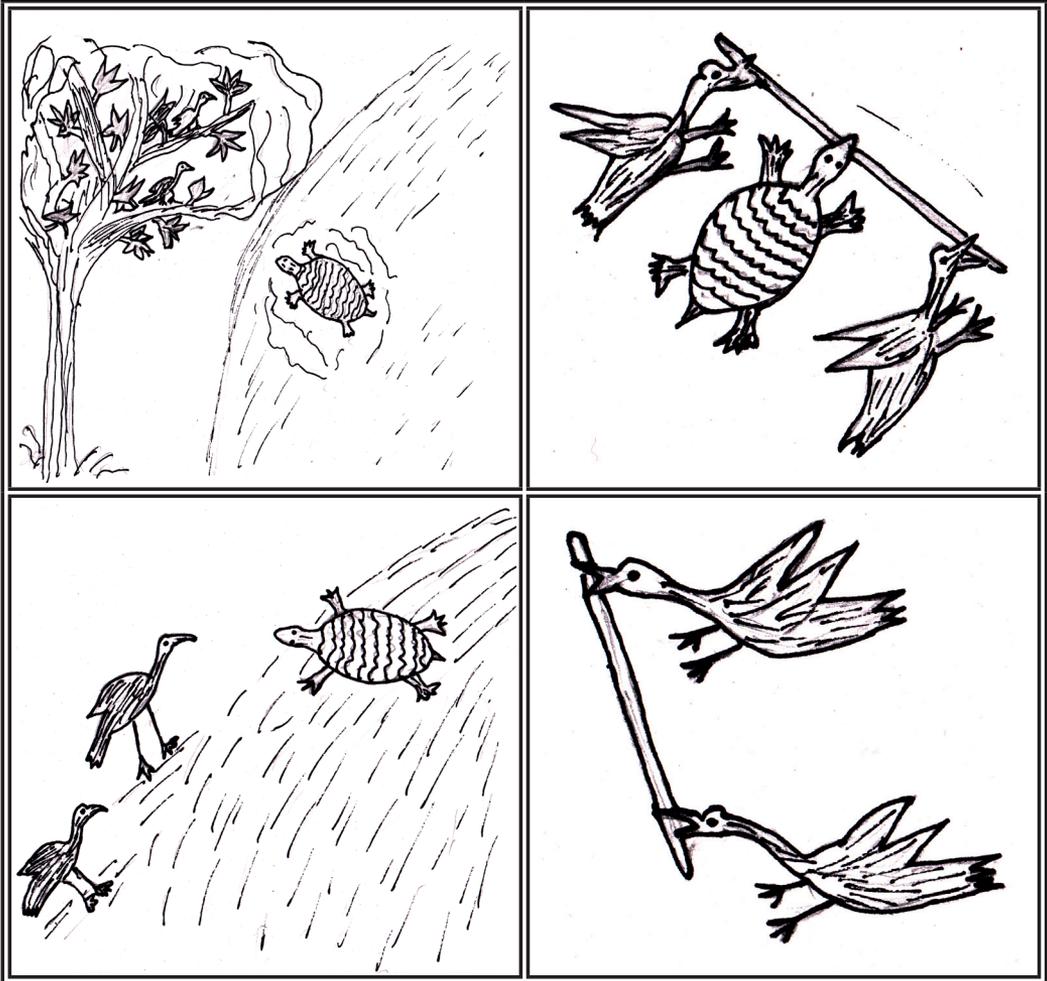
सकल	लसण	सकल	अमल
बरफ	रकम	कळस	बरफ
नरक	नरक	ढकण	करम
फरक	धरम	फरक	मटर
बटण	उमर	बटण	अमल
मसळ	उछळ	समळ	मसळ
सरम	सरम	उदम	लसण

एकसा सबदा नै एक लेण म पिछाणो

कसर	रबड़ टकर कसर
भरम	करम भरम नजर
कळस	कळस धरम करम
टकर	कसर टकर सरम
अमल	चमक ढकण अमल
सरत	करम सरत रगड़
पकड़	सड़क अड़क पकड़

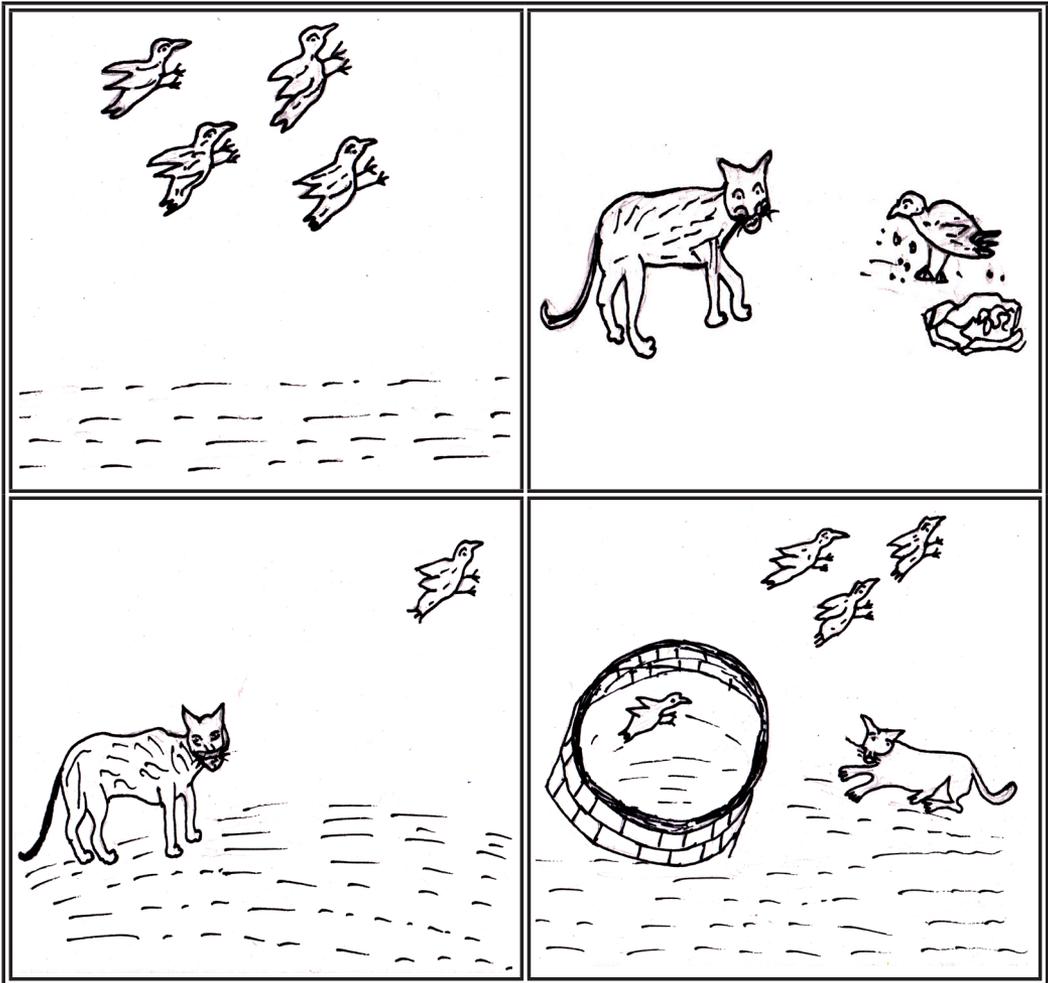
आ फोटूवा नै काहणी की जय्या जचावो

भायलाचारी



आ फोटूवा नै काहणी की जय्या जचावो

छाकटी चीड़ी



आ फोटूवा नै काहणी की जय्या जचावो

सांप अर जमीदार



आ फोटूवा नै काहणी की जय्या जचावो

लालची गंडक

